an>

Title: Regarding cleanliness campaign of Government of India and Government of Delhi.

श्रीमती रंजीत रंजन (सुपौल) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं एक बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दे को उठाना चाहती हूँ, जोकि दिल्ली से जुड़ा हुआ है। दिल्ली पुलिस केंद्र सरकार के अधीन आती है। एक तरफ हमारे प्रधान मंत्री और हमारी सरकार आज स्वच्छता अभियान के लिए बहुत जोर-शोर से लगी हुई है। लेकिन दूसरी तरफ हम लोगों ने बहुत बार यह देखा है कि कई कॉलोनियों में जो चौराहे हैं, चौक हैं, गोलंबर है, शहर को सजाने के लिए जहां पर अच्छे से गारडनिंग की जाती है, वहां पर सरेआम कुछ इस तरह के शैल्टर्स हैं, जहां पर लोग भीख मांगने वाले भी हैं, सरेआम रहते हैं, वहीं पर पुलिस की चौकी रहती है, वहीं ट्रैफिक पुलिस वाले रहते हैं, वे अपने बच्चों को वहीं पर शौच कराते हैं, वहीं पर कपड़े भी धोते हैं, वहीं पर खाना बनाते हैं, वहीं से वे बलून वगैरह भी बेचते हैं, वहीं से चौक-चौराहों पर भीख भी मांगते हैं। हम लोगों ने अपनी आँखों से देखा है कि उन कालोनियों में गाड़ियों के शीशे आदि चोरी होने का क्लेम भी उन पर ही आता है और वे चोरी करते भी हैं। वहीं से वे नशा भी सप्लाई करते हैं। अफसोस की बात यह है कि यह सब दिल्ली पुलिस की आँख के नीचे होता है। मुझे आज तक यह समझ नहीं आया कि हर चौक-चौराहे पर जहाँ पर पुलिस होती है, लेकिन बगल में सौ मीटर की रेंज पर वे शेल्टर में रात-दिन वहाँ पर रहते हैं, उनका अड्डा होता है। वे तंबू लगाकर वहाँ रह रहे होते हैं। अगर सरकार का ध्यान स्वच्छता पर है, तो यह किस तरह की स्वच्छता है? क्या ये गंदगी नहीं फैला रहे हैं और इनको किसकी परमीशन से यह इजाजत है, बहुत सारे पॉश इलाके हैं, बसंत कुंज ले लीजिए, मोती बाग का अंडर ब्रिज ले लीजिए, सिद्धार्थ होटल के नीचे वाला जो गोलम्बर है, वहाँ देख लीजिए, रिज रोड में ले लीजिए, मैक्सिमम स्टापेज में जहाँ पर रेड लाइट्स होती हैं, अच्छे गार्डन बनाए जाते हैं, उसके बाद इनका शेल्टर होता है। मैं तोहमत नहीं लगा रही हूँ। यह सुनने में आता है कि क्या पुलिस इनसे हफ्ता लेती है, जिनके बिहाफ पर उनको वहाँ रखा जाता है? एक तरफ हम कहते हैं कि क्राइमेंट बढ़ रही है, बच्चियों के साथ दुÂकर्म हो रहे हैं, उसमें इन लोगों की भी इनवाल्वमेंट है। आखिर सरकार और दिल्ली पुलिस इनको सरेआम क्यों शेल्टर देती है? क्या सरकार इस पर कोई कार्रवाई करेगी? धन्यवाद।

HON. DEPUTY SPEAKER: Shri Rajeev Satav is permitted to associate with the issue raised by Shrimati Ranjeet Ranjan.